

## बीपीएससी अध्ययन नोट्स: बिहार का भूगोल

- अनुदैर्घ्य विस्तार -  $83^{\circ}19'$  पूर्व से  $88^{\circ}7'$  पूर्व
- अक्षांशीय विस्तार -  $24^{\circ}20'$  उत्तर से  $27^{\circ}3'$  उत्तर
- पूर्व से पश्चिम तक दूरी - 483 किलोमीटर
- उत्तर से दक्षिण तक दूरी - 345 किलोमीटर
- बिहार की उत्तर प्रदेश, झारखंड और पश्चिम चंपारण राज्यों के साथ सीमाएं हैं। इसकी उत्तर में नेपाल के साथ भी सीमा है।
- नेपाल सीमा की लंबाई - 601 किलोमीटर
- पश्चिम से पूर्व दिशा में 7 जिले अर्थात् पश्चिम चंपारण, पूर्व चंपारण, सीतामढ़ी, मधुबनी, सुपौल, अररिया और किशनगंज की सीमाएं नेपाल से लगी हुई हैं।
- उत्तर से दक्षिण दिशा में 8 जिले अर्थात् पश्चिम चंपारण, गोपालगंज, सिवान, सरण, भोजपुर, बक्सर, कैमूर और रोहतास हैं जिनकी सीमाएं उत्तर प्रदेश की सीमा से लगी हुई हैं।
- पश्चिम से पूर्व दिशा में 8 जिले अर्थात् रोहतास, औरंगाबाद, गया, नवादा, जामुई, बांका, भागलपुर और कटिहार हैं जिनकी सीमाएं झारखंड सीमा से लगी हुई हैं।
- उत्तर से दक्षिण दिशा में 3 जिले अर्थात् किशनगंज, पूर्णिया और कटिहार हैं जिनकी सीमाएं पश्चिम बंगाल की सीमा से लगी हुई हैं।
- गंगा, घाघरा और गंडक कुछ हिस्सों में उत्तर प्रदेश के साथ सीमा बनाते हैं।
- सोन नदी रोहतास जिले में झारखण्ड के साथ सीमा बनाती है।

### बिहार की भू-वैज्ञानिक संरचना

- उत्तर में नवीन चट्टानें, दक्षिण में पुरानी चट्टानें
- उत्तर-पश्चिम क्षेत्र तराई, मध्य क्षेत्र गंगा के मैदान और दक्षिणी भाग पठारी क्षेत्र हैं
- बिहार के मैदान का गठन सबसे छोटा है
- **धारवार चट्टानें** - दक्षिण-पूर्व बिहार - जामुई, नवादा, मुंगेर जिले
- **विंध्यान चट्टानें** - दक्षिण-पश्चिमी बिहार - काइमूर, रोहतास जिले
- **पठार क्षेत्र**- काइमूर जिले से बांका जिले तक एक संकीर्ण पट्टी के रूप में फैला हुआ है

### बिहार का मौसम

- महाद्वीपीय मानसून प्रकार की जलवायु
- दक्षिणी भाग की तुलना में उत्तरी भाग अधिक ठण्डा है
- पूर्वी भाग में 200 से.मी तक बारिश होती है जबकि पश्चिमी भू-भाग में 100 से.मी तक बारिश होती है।
- अप्रैल माह में आर्द्रता सबसे कम है

- हल्की नॉरवेस्टर वर्षा के प्रभाव के कारण पूर्वी भाग का तापमान कम हो जाता है
- **नॉरवेस्टर** - उष्णकटिबंधीय चक्रवात आंधी, प्रारंभिक खरीफ की फसलों के लिए अत्यंत सहायक है
- 'गया' मई में सबसे गर्म है, जबकि जनवरी में सबसे ठंडा रहता है

## बिहार की मिट्टी

- **पिडमोंट दलदली मिट्टी** - पश्चिमी-चंपारण, चावल के लिए उपयोगी, कार्बनिक पदार्थों से समृद्ध
- **तराई मिट्टी** - नेपाल, चंपारण से किशनगंज की सीमा के उत्तरी बेल्ट में पाई जाती है, गन्ना, जूट के लिए उत्तम
- **भांगर** - पुरानी जलोढ़ मिट्टी-चिकनी, चिपचिपी, चूने से समृद्ध, धान और गन्ने के लिए अच्छी, पटना और गया
- **खादर** - नवीन जलीय मिट्टी - नाइट्रोजन से समृद्ध, धान और गेहूं के लिए अच्छी, पूर्णिया, सहरसा, दरभंगा
- **कराइल-केवाल मिट्टी** - भारी मिट्टी, क्षारीय, रोहतास से भागलपुर तक, भूरे से पीले रंग की
- **ताल मिट्टी** - गंदे जल निकास, ग्रे, उच्च उपज, बक्सर से बांका तक
- **बाल्थर मिट्टी**- लौह तत्व की उपस्थिति, लाल और पीले रंग की, कम उपजाऊ, छोटानागपुर पठार और गंगा मैदान, कैमूर से राजमहल पहाड़ियों के बीच संक्रमणकालीन क्षेत्र में
- **बाल सुंदरी**- क्षारीय, सहरसा और चंपारण, मक्का और तंबाकू के लिए अच्छी है

## प्रमुख नदियां

### गंगा

- **चौसा** में प्रवेश के बाद भोजपुर और सरन की सीमा तक
- उत्तरी सहायक - सरन में **घाघरा**, सोनपुर में **गंडक**, मुंगेर में **बागमती**, कुर्सेला में **कोसी**, मनीहारी में **काली-कोसी**
- दक्षिणी सहायक नदियां - मानेर में सोन, चौसा में कर्मनासा, फतुआ में पुनपुन
- इसमें बिहार का सबसे बड़ा जलग्रहण क्षेत्र है।
- **महात्मा गांधी सेतु** - दक्षिण में पटना से लेकर उत्तर में हाजीपुर को जोड़ता है।

### घाघरा/सरयू

- नेपाल के **नंपा** में उत्पत्ति
- बिहार में **गोपालगंज** से प्रवेश
- **छपरा** में गंगा में शामिल होती है

## गंडक

- तिब्बत से उत्पत्ति
- नेपाल से **त्रिवेणी** के पास भारत में प्रवेश,
- बिहार और उत्तर प्रदेश की सीमा
- **पश्चिमी चंपारण** से बिहार में प्रवेश
- **सोनपुर** में गंगा में शामिल
- **त्रिवेणी नहर** को इस नदी से पानी मिलता है

## बुरही गंडक

- **पश्चिमी चंपारण** के चौतारवाचौर में **सोमेश्वर पहाड़ियों** पर उत्पत्ति
- गंडक नदी के समानांतर बहती है
- **खगरिया** में गंगा में शामिल होती है

## कोसी

- मार्ग परिवर्तन के कारण वास्तव में, **बिहार के शोक** के रूप में जानी जाती है
- यह नेपाल के सात चैनलों से बनी है जिसे सप्तकोसी कहा जाता है
- **सुपौल** के रास्ते बिहार में प्रवेश करती है
- **कटिहार के कुर्सेला** में गंगा में शामिल

## बागमती

- नेपाल में **शिवपुरी की पहाड़ी** में उत्पत्ति
- **सीतामढ़ी** के रास्ते बिहार में प्रवेश करती है
- **बदलाघाट** में कोसी में शामिल

## कमला

- **सिंधुलीगढ़ी** के पास नेपाल में **महाभारत रेंज** में उत्पत्ति
- **मधुबनी** के रास्ते बिहार में प्रवेश
- **कमला बैराज** का निर्माण किया गया है
- **बदलाघाट** में बागमती नदी में शामिल

## महानंदा

- **सिक्किम** में उत्पत्ति

- **किशनगंज** के रास्ते बिहार में प्रवेश करती है
- **बांग्लादेश के नवाबगंज** में गंगा में शामिल होती है
- ऊपरी मार्ग में हिंदी और बंगाली बोलने वाले क्षेत्रों के बीच एक महत्वपूर्ण भाषाई सीमा निर्मित करती है।

## सोन

- **मध्य प्रदेश में अमरकंटक की पहाड़ियों** में उत्पत्ति
- मानेर के पास गंगा में शामिल हो जाती है
- महत्वपूर्ण सहायक नदियां रिहंद और उत्तरी कोयल हैं

## पुनपुन

- हजारीबाग पठार में उत्पत्ति
- फतुहा के निकट गंगा में शामिल
- पटना शहर के पूर्व में बाढ़ से होने वाले भारी नुकसान का कारण बनती हैं

## फाल्गू

- इसे **निरंजना** भी कहा जाता है
- यह एक पवित्र नदी मानी जाती है और **गया** के बाद से बहती है

## बिहार में झरने

- **काकोलट झरना** - झारखंड सीमा के निकट नवादा में, 160 फीट का झरना
- **करकट झरना** - काइमूर वन्यजीव अभ्यारण्य के निकट काइमूर की पहाड़ियों में
- **मंजूरकुंड और धुआकुंड** - सासाराम में, ऊर्जा उत्पादन के लिए उपयोगी

## गर्म झरने (स्प्रिंग्स)

- अधिकांश गर्म झरने राजगीर और मुंगेर में स्थित हैं।
- **राजगीर** - सप्तधारा, सूर्य कुंड, मखदूम कुंड, ब्रह्म कुंड
- **मुंगेर** - लक्ष्मण कुंड, रामेश्वर कुंड, गौमुख कुंड, सीताकुंड, ऋषि कुंड

## वनस्पति और जीव

- कुल वन क्षेत्र - 7288 वर्ग कि.मी, कुल क्षेत्रफल का 74% (भारतीय वन क्षेत्र का 1.04%)
- अधिकतम वन क्षेत्र- काइमूर जिला
- न्यूनतम वन क्षेत्र - शेखपुरा

- अधिक घने वनों का अधिकतम भाग पश्चिमी चंपारण में है
- किशनगंज, पश्चिमी चंपारण, काइमूर, गया आदि में नर्म पर्णपाती वन पाए जाते हैं।
- सूखे पर्णपाती - बिहार, काइमूर, पूर्णिया, रक्सौल आदि में सबसे प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं।
- **वाल्मीकि राष्ट्रीय उद्यान** - पश्चिमी चंपारण में स्थित है, **2 अगस्त, 1989** में स्थापित किया गया।
- **वाल्मीकि टाइगर रिजर्व** में वाल्मीकि राष्ट्रीय उद्यान और वाल्मिकी वन्यजीव अभयारण्य शामिल हैं।
- **भीमबंध वन्यजीव अभयारण्य** - मुंगेर, गंगा के दक्षिण में, सीता कुंड और ऋषि कुंड जैसे कई गर्म झरने हैं, भूमि पर पाए जाने वाले जानवरों की तुलना में पक्षियों के लिए अधिक प्रसिद्ध है इसे **25 जून, 1976** में स्थापित किया गया।
- **कैमूर वन्यजीव अभयारण्य** - कैमूर में बंगाली बाघ भी यहां पाए जाते हैं, करकट और तेलहार झरने जैसे कई झरने, प्रसिद्ध झील **अनुपम झील** यहीं हैं, **25 जुलाई, 1979** में स्थापित किया गया।
- **गौतम बुद्ध वन्यजीव अभयारण्य** - गया और हजारीबाग (झारखंड) में स्थित है, पहले यह निजी शिकार रिजर्व था, इसे **14 सितंबर, 1971** में स्थापित किया गया है
- **विक्रमशिला गंगा डॉल्फिन अभयारण्य** - भागलपुर, सुल्तानगंज से कहलगांव तक फैला हुआ है, गंगा डॉल्फिन के लिए एकमात्र संरक्षित क्षेत्र, **28 अगस्त, 1990** में स्थापित किया गया
- **संजय गांधी जैविक उद्यान- पटना** में स्थित, जैविक पार्क जिसमें चिड़ियाघर के साथ एक वनस्पति उद्यान संयोजित है, **8 मार्च, 1983** में स्थापित किया गया है

## विविध

- कुल क्षेत्रफल - **94,163 वर्ग किलोमीटर** (भारत में 13वां)
- जनसंख्या - **10,40,99,452** (भारत में तीसरा)
- दशकीय विकास दर - 25.4%
- जनसंख्या घनत्व - 1106
- लिंग अनुपात - 918
- बाल लिंग अनुपात - 935
- साक्षरता दर - 61.8%
- अधिकांश आबादी वाला शहर - पटना
- कम आबादी - शेखपुरा
- सबसे घना - शिओहर (1880)
- कम घना - कैमूर (488)
- सबसे बड़ा जिला (क्षेत्रफल की दृष्टि से) - वेस्ट चंपारन
- सबसे छोटा जिला (क्षेत्रफल की दृष्टि से) - शिओहर